अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2020) दिनांक : 17.12.2020

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ का इतिहास–70

प्र. 1 किन्हीं ग्यारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 11

आचार्य श्री मधवागणी (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें।)

(क) बालकों ने बालक मधवा के लिए क्या भविष्यवाणी सहज में की?

(ख) बालक मधवा और उनकी माता बन्ना जी व बहन की दीक्षा में कितना अन्तर था और किस आचार्य के शासन काल में हुई?

(ग) नई व्यवस्था करने के लिए जयाचार्य ने मुनि मधवा को क्या संकल्प कराया?

(घ) जयाचार्य ने मुनि छोग जी को किस प्रकार सम्मानित किया?

(ङ) आचार्य पदारोहण के तत्काल मधवागणी ने किसको और कहां दीक्षा दी?

(च) मधवागणी के समय सरदारशहर तेरापंथ के लिए केवल बहिनों का क्षेत्र क्यों कहलाता था?

आचार्य माणकगणी (किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें।)

(छ) माणकगणी के पितामह जीवसुखराय जी कौन से तेरापंथी आचार्य के सम्पर्क में कब आये?

(ज) माणकगणी के पिता का देहान्त कैसे हुआ?

(झ) माणकगणी अग्रणी अवस्था में संस्कृत का अध्ययन कहां और किससे किया?

(ञ) हरियाणा में आचार्य श्री माणकगणी ने प्रथम मर्यादा महोत्सव कहां किया और उसमें कितने साधु-साध्वी एकत्रित हुए?

आचार्य श्री डालगणी (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें।)

(ट) माता जड़ावां जी ने बालक डालचन्द के दायित्व को किसे सौंप कर किससे दीक्षा ग्रहण की?

(ठ) आचार्य डालगणी की खरी कमाई की पड़त कौन सी है और वर्तमान में वह कहां सुरक्षित हैं?

(ड) डालगणी का माता जड़ावां देवी से अन्तिम मिलन कब और कहां हुआ?

(ढ) लौंकागच्छ में अभी तक असली साधु विद्यमान हैं। यह कथन किसने और कहां कहा?

(ण) अंतरिम काल में तेरापंथ में पंचपद वंदना में कौन से पद में क्या परिवर्तन किया गया?

(त) बाव के दीवान जी का क्या नाम था और उन्होंने क्या भविष्यवाणी की?

आचार्य श्री मधवागणी–21

प्र. 2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) मधवागणी की राजस्थानी भाषा में सबसे बड़ा ग्रन्थ कौन सा है? वह कितनी गीतिकाओं और दोहों तथा सर्वपद्य से निबद्ध है?

(ख) मधवागणी ने लाखन कोटड़ी में स्थानकवासी सम्प्रदाय की साध्वियों को गण में दीक्षित क्यों नहीं किया?

(ग) मधवागणी ने मुनि-जीवन में प्रविष्ट होने वाले प्रतिबुद्ध व्यक्ति के कितने और कौन-कौन से प्रकार बताये?

प्र. 3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) मधवागणी द्वारा नगराज जी बैंगानी को क्यों पुरस्कृत किया गया? उस घटना को लिखें।

(ख) 'कांटे लगवा दिये' घटना प्रसंग को लिखें।

(ग) मधवागणी द्वारा आगामी व्यवस्था पर टिप्पणी लिखें।

प्र. 4 मधवागणी की दीक्षा के सम्बन्ध में आयी बाधायें तथा दीक्षा ग्रहण पर प्रकाश डालें। 10

अथवा

मधवागणी के बाह्य और आंतरिक व्यक्तित्व पर दो या तीन दृष्टांतों से प्रकाश डालें।

आचार्य श्री माणकगणी–17

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) आचार्य श्री मधवागणी ने उत्तराधिकारी का नाम घोषित न करके भी स्पष्ट संकेत किस प्रकार दिये?

(ख) माणकगणी के पूर्वज आचार्य कितने-कितने वर्षों तक युवाचार्य पद पर रहे?

(ग) स्थानीय श्रावक बालचंद जी बैंगानी ने माणकगणी की नाड़ी देखकर क्या कहा?

प्र. 6 माणकगणी के चार दिन के युवाचार्य काल का वर्णन करें। 12

अथवा

माणकगणी के अंतिम चातुर्मास पर प्रकाश डालें।

आचार्य श्री डालगणी–21

प्र. 7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) साध्वी कस्तूरां जी ने नव निर्वाचित आचार्य की सर्वप्रथम गुरुभक्ति किस प्रकार की?

(ख) 'कुंड-कुंड रो न्यारों पाणी, तुंड-तुंड री न्यारी वाणी।
थां सघलां री सरिखी होई, आ तो बात अजब भैं जोई।।'
डालगणी की प्रथम देशना के इस पद्य का क्या अर्थ है?

(ग) उदयपुर चातुर्मास की भावना के आग्रह को रोकने के लिए डालगणी ने मुनि मगन लाल जी को क्या कहा?

(घ) डालगणी भिक्षु शासन को 'सात हाथ की सोड़' क्यों कहते हैं।

प्र. 8 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) एक घटना-प्रसंग द्वारा सिद्ध करें कि डालगणी सामाजिक कुरितियों पर तीव्र प्रहार करते थे।

(ख) आचार्य डालगणी द्वारा अपने उत्तराधिकारी की प्रच्छन्न नियुक्ति पर जो अटकलें लगायी गई उन पर प्रकाश डालें।

(ग) अस्वस्थ डालगणी की सेवा में तीन व्यक्तियों की सेवा को महत्त्वपूर्ण कही गयी उन तीनों व्यक्तियों की सेवा का उल्लेख करें।

प्र. 9 डालगणी का आचार्य पद पर निर्वाचन के पश्चात जोधपुर में किसनमल जी भंडारी से हुई वार्तालाप को लिखें। 10

अथवा

कोई दो दृष्टांतों से सिद्ध करें कि डालगणी को आज्ञा का भंग पसंद नहीं था।

तुलसी प्रबोध–20

प्र. 10 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 13

(क) 'जन्मस्थान' वाला पद्य।

(ख) बोली मां.....आर-पार हो।।

(ग) कर अपवाद.....अधिकार हो।।

(घ) लोग विरोधी.....पधार हो।।

प्र. 11 किन्हीं दो पद्यों की पूर्ति करें– 7

(क) सुणी बात.....ज्वार हो।।

(ख) देख अनुज.....फरमार हो।।

(ग) सतियों में शिक्षा लाने वाला पद्य लिखें।

(घ) बुद्धिजीवी.....गुंजार हो।।

तेरापंथ प्रबोध–10

प्र. 10 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें– 10

(क) 'रूं-रूं में सांवरियो बसियो' गीत वाला पद्य।

(ख) 'वन्दना लो झेलो' गीत वाला पद्य।

(ग) अर्हत-आज्ञा.....कारोबार हो।।

(घ) बीती बारस.....पुर-बार हो।।

(ङ) 'महाश्रमणी-महाश्रमण' वाला पद्य।